मरूमेघ
किसान ई – पत्रिका
www.marumegh.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
©2016 marumegh
ISSN:2456-2904

कीटनाशकों का उपयोग करते समय रखने वाली सावधानियाँ

समीर कुमार सिंह एवं कंचन गंगाराम पडवल
कीट एवं कृषि जन्तु विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान,
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी–221005

कीटनाशक जैविक सक्रिय पदार्थ होते हैं, जो कीटों को अपने विषैले प्रभाव से मार देते हैं। यह कीटों को मरने के अतरिक्त अन्य जीवों के लिए भी घातक हो सकते हैं, अगर इनका उपयोग सही प्रकार से न किया जाये। अतः इनके घातक प्रभावों से बचने के लिए आवश्यक है कि इनका उपयोग उन पर लिखे निर्देशों के सही प्रकार पालन से किया जाये। इनमें थोड़ी सी लापरवाही प्राण घातक साबित हो सकती है। इनके सुरक्षित उपयोग के लिए कुछ निर्देश नीचे दिए जा रहे हैं जिनके पालन से हम इनके हानिकारक प्रभावों से बच सकतें हैं।

कीटनाशकों का चुनावः– कीटनाशक शुद्ध और तकनीकी श्रेणी में बनाये जाते हैं उसके बाद इसमें विभिन्न प्रकार के पदार्थ मिलाकर इन्हे छिड़काव योग्य बनाया जाता है। इसका विवरण उस कीटनाशक के डिब्बे पर दिया रहता है। कीटनाशकों का चुनाव निम्नलिखित कारकों पर निर्भर करता है।

1. कीटनाशक का सही चुनाव फसल पर लगे हुए कीट की सही पहचान पर निर्भर करता है। इसके लिए किसान उस क्षेत्र के कृषि अधिकारी से संपर्क कर सकतें हैं।
2. केवल संस्तुत कीटनाशक और फार्मूलेशन का ही चुनाव करें।
3. केवल उसी ऋतु के लिए ही कीटनाशक की खरीददारी करें, इसका भण्डारण न करें।

कीटनाशकों के भण्डारण के समय रखी जाने वाली सावधानियाँः–

1. सभी डिब्बों को कस कर बंद करना चाहिए और उनके डिब्बों और थैलों को फाड़ना नहीं चाहिए।
2. अधिक जहरीले कीटनाशकों पर विशेष प्रकार का निशान बनाना चाहिए।
3. खुले प्रकार के वाहनों में कीनाशकों के परिवहन को प्राथमिकता देनी चाहिए।

कीटनाशकों के भण्डारण के समय रखी जाने वाली सावधनियाँः–

1. कीटनाशकों को उनके असली डिब्बों में ही भण्डारित करें।
2. कीटनाशकों को कभी भी खाने, चारे, बीजों, दवाइयों और पानी के पास न भण्डारित करें क्योंकि इससे यह इनको संदूषित कर सकता है।
3. इनको शुष्क और हवादार तथा पक्के स्थान पर ही भण्डारित करना चाहिए। जिससे अगर यह वहाँ गिर जाये तो उसे साफ किया जा सके।
4. भण्डारगृह को हमेशा ताला लगाकर रखना चाहिए, जिससे वहाँ बच्चे और जानवर आदि न पहुंच सकें।
5. अगर संभव हो सके तो भंडारण से पहले भण्डारगृह में पॉलिथीन का प्रयोग करें जिससे उन्हें गीलेपन से बचाया जा सके।
6. समय–समय पर भण्डारगृह का निरीक्षण करते रहना चाहिए जिससे उनके रिसाव का पता चल सके और उसमें घुसने से पूर्व खिड़कियों को ३० मिनट तक खुला रखना चाहिए।

कीटनाशकों का उपयोग करते समय रखने वाली सावधानियाँः–

1. कीट की सही पहचान करें और जब आवश्यक हो तभी इनका प्रयोग करें।
2. उपयोग करते समय डिब्बे और थैले पर लिखे हुए सभी निर्देशों को पढ़ कर उनका पालन करना चाहिए।
3. छिड़काव यन्त्र सही और अन्तःशोधित होने चाहिए तथा केवल संस्तुत मात्रा का ही प्रयोग करना चाहिए।
4. शरीर को बचाने के लिए सही कपड़े, हाथ में रबर के दस्ताने तथा आँखों को बचाने के लिए चश्मा पहना चाहिए।

5. अत्यधिक जहरीले कीटनाशकों का प्रयोग अकेले न करें।
6. छिड़काव से पूर्व पेड़ पौधों के फल और खाने वाले भाग को तोड़ लेना चाहिये।
7. कीटनाशकों को पानी में डालते समय कीप और मिलाते समय लकड़ी या लोहे की छड़ का उपयोग करें।
8. हमेशा अपने पास पानी और साफ तौलिया रखना चाहिए।
9. छिड़काव करते समय धूम्रपान या खानपान को टालना चाहिए।
10. हवा की विरूद्ध दिशा में कभी छिड़काव या बुरकाव नहीं करना चाहिए।
11. कभी भी मुँह लगाकर बन्द हुए नोजल की सफाई नहीं करनी चाहिए।
12. छिड़काव के लिए सुबह या सायंकाल जब हवा की गति 7 किमी० प्रतिघंटे से कम और तापमान 21 डिग्री सेल्सियस के आस–पास हो। जिससे इनका प्रभाव लाभदयक एवं मित्र कीटों पर कम से कम हो।
13. कभी भी कीटनाशकों का छिड़काव फूल आतें समय न करें यदि आवश्यक हो तो छिड़काव सायंकाल करें।
14. कीटनाशकों के डिब्बे कभी खेत में न छोड़े।
15. छिड़काव करते समय यदि जहर का प्रभाव शरीर पर दिखे तो तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए।
16. खून में अगर कोलीन एस्टररेज एंजाइम समान्य से कम हो तो छिड़काव न करें।

कीटनाशकों का उपयोग करने के बाद रखने वाली सावधानियाँः–

1. कभी भी बचे हुये कीटनाशक को छिड़कने वाले यंत्र में नहीं छोड़ना चाहिए तथा न ही उसे सिंचाई की नाली में या बंजर भूमि में डालना चाहिए।
2. छिड़काव के बाद छिड़कने वाले यंत्र, ड्रम, बाल्टी, साबुन को पानी से ३ बार साफ करके भण्डारगृह में रखना चाहिए।
3. छिड़काव के समय काम में लाये गए कपड़ों को अच्छे से साफ करके अच्छे से नहाना चाहिए।
4. जो भी कीटनाशक फसल पर छिड़कें उनका ब्यौरा अवश्य रखना चाहिए।
5. कीटनाशक के छिड़काव के 6 घण्टे बाद यदि वर्षा हो जाये तो दोबारा छिड़काव करना चाहिए।
6. छिड़काव के बाद खेत में किसी आदमी या जानवर के प्रवेश को पूरी तरह से बन्द कर देना चाहिए।
7. छिड़काव के बाद उस खेत की फसल को एक निश्चित प्रतीक्षा काल के बाद ही प्रयोग में लाना चाहिए।
8. बचे हुए कीटनाशक को भण्डारगृह में वापस रख देना चाहिए।
9. छिड़काव के बाद या समय किसी भी प्रकार की विषाक्तता के लक्षण दिखाई पड़ें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

कीटनाशकों के खाली डिब्बों का निराकरणः–

1. कभी भी कीटनाशकों के खाली डिब्बों या थैलों को किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं प्रयोग करना चाहिए।
2. खाली डिब्बों को कभी भी तालाब, नदी, नहर और जलधारा के पास नहीं फेंकना चाहिए।
3. खाली प्लास्टिक या धातु के डिब्बों को बेकार की भूमि में गाड़ने से पहले शुद्ध कर लेना चाहिए। इसके लिए सबसे पहले द्रव को बाहर निकलने के लिए डिब्बे को कुछ मिनट तक उल्टा रख देना चाहिए और फिर तीन से चार बार पानी से धोकर साफ कर लेना चाहिए।
4. खाली डिब्बों और थैलों को बेकार पड़ी हुई भूमि में एक मीटर की गहराई में गाड़ देना चाहिए।
5. खाली डिब्बों और थैलों को जलाने से हमेशा बचना चाहिए।

निष्कर्षः– उपरोक्त सभी सावधानियों को ध्यान में रखते हुए हम कीटनाशकों के घातक प्रभाव से स्वयं एवं अपने पर्यावरण को भी सुरक्षित रख सकतें हैं। अतः इन सावधानियों का आवश्यक रूप से पालन करना चाहिए।